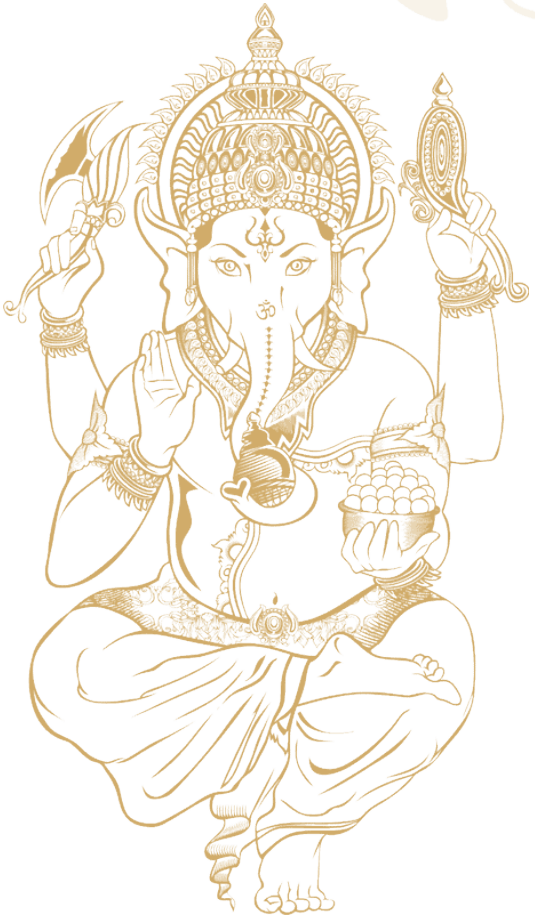

Mr. Ram

26 Jul 1997

01:50 PM

Shajapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120427402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/07/1997**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:50:00 घंटे**
इष्ट	19:54:55 घटी
स्थान	**Shajapur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:27:00 उत्तर
रेखांश	76:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:25:24 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	09:41:41 घंटे
सूर्योदय	05:52:02 घंटे
सूर्यास्त	19:09:48 घंटे
दिनमान	13:17:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	09:33:44 कर्क
लग्न के अंश	26:04:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:04:43	316:21:44	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			कर्क	09:33:44	00:57:19	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	04:07:25	13:53:51	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			कन्या	24:55:54	00:34:01	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	05:17:47	01:18:15	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		मक	24:59:14	00:07:15	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	09:32:30	01:12:12	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:30:11	00:00:40	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु			सिंह	27:00:43	00:00:36	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	27:00:43	00:00:36	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	13:00:44	00:02:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:36:33	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:05:38	00:00:35	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	29:15:28	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:22

लग्न-चलित

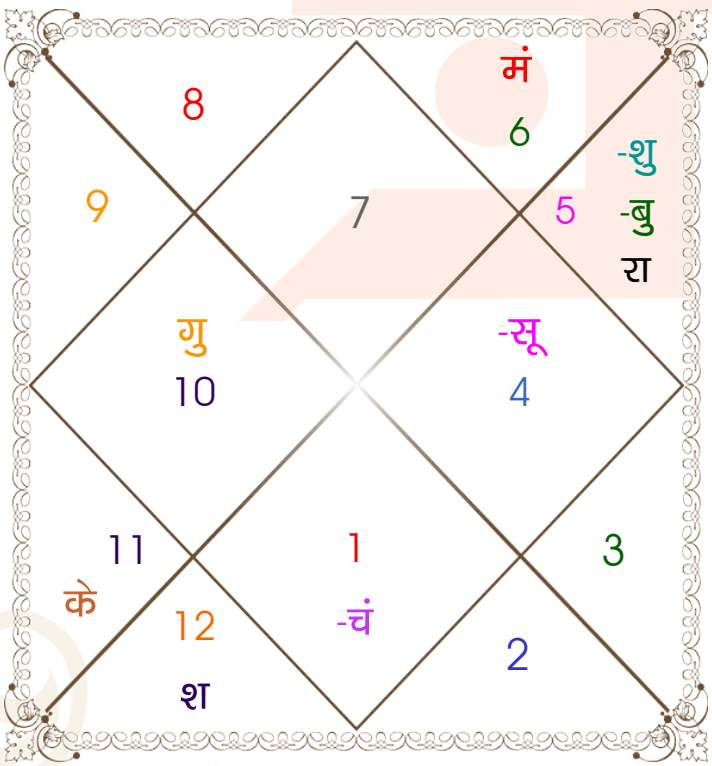

चन्द्र कुंडली

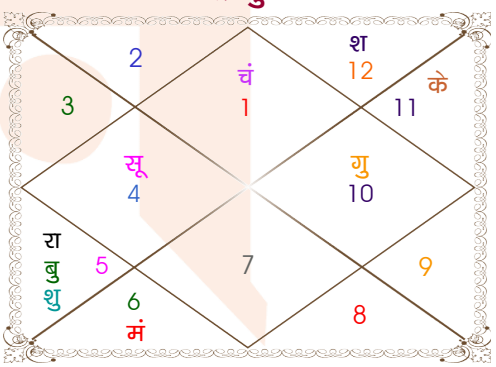

नवमांश कुंडली

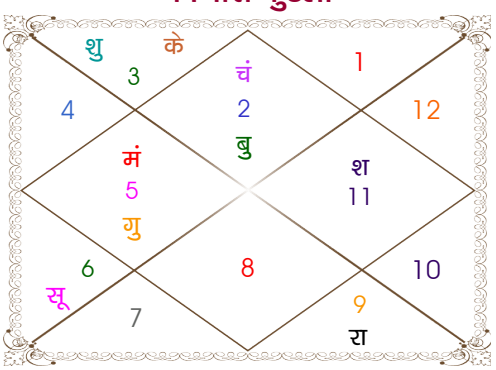

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 10 मास 0 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/07/1997		27/05/2002		27/05/2022		27/05/2028		27/05/2038	
27/05/2002		27/05/2022		27/05/2028		27/05/2038		27/05/2045	
	00/00/0000	शुक्र	26/09/2005	सूर्य	14/09/2022	चंद्र	27/03/2029	मंगल	23/10/2038
	00/00/0000	सूर्य	26/09/2006	चंद्र	15/03/2023	मंगल	26/10/2029	राहु	11/11/2039
	26/07/1997	चंद्र	27/05/2008	मंगल	21/07/2023	राहु	27/04/2031	गुरु	17/10/2040
चंद्र	29/11/1997	मंगल	27/07/2009	राहु	14/06/2024	गुरु	26/08/2032	शनि	25/11/2041
मंगल	27/04/1998	राहु	26/07/2012	गुरु	02/04/2025	शनि	27/03/2034	बुध	23/11/2042
राहु	15/05/1999	गुरु	27/03/2015	शनि	15/03/2026	बुध	27/08/2035	केतु	21/04/2043
गुरु	20/04/2000	शनि	27/05/2018	बुध	20/01/2027	केतु	27/03/2036	शुक्र	20/06/2044
शनि	30/05/2001	बुध	27/03/2021	केतु	27/05/2027	शुक्र	25/11/2037	सूर्य	26/10/2044
बुध	27/05/2002	केतु	27/05/2022	शुक्र	27/05/2028	सूर्य	27/05/2038	चंद्र	27/05/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/05/2045		27/05/2063		27/05/2079		27/05/2098		28/05/2115	
27/05/2063		27/05/2079		27/05/2098		28/05/2115		00/00/0000	
राहु	07/02/2048	गुरु	15/07/2065	शनि	30/05/2082	बुध	24/10/2100	केतु	24/10/2115
गुरु	03/07/2050	शनि	26/01/2068	बुध	06/02/2085	केतु	21/10/2101	शुक्र	24/12/2116
शनि	09/05/2053	बुध	03/05/2070	केतु	18/03/2086	शुक्र	21/08/2104	सूर्य	30/04/2117
बुध	26/11/2055	केतु	09/04/2071	शुक्र	18/05/2089	सूर्य	27/06/2105	चंद्र	27/07/2117
केतु	13/12/2056	शुक्र	08/12/2073	सूर्य	30/04/2090	चंद्र	27/11/2106		00/00/0000
शुक्र	14/12/2059	सूर्य	26/09/2074	चंद्र	29/11/2091	मंगल	24/11/2107		00/00/0000
सूर्य	07/11/2060	चंद्र	26/01/2076	मंगल	07/01/2093	राहु	12/06/2110		00/00/0000
चंद्र	09/05/2062	मंगल	01/01/2077	राहु	14/11/2095	गुरु	17/09/2112		00/00/0000
मंगल	27/05/2063	राहु	27/05/2079	गुरु	27/05/2098	शनि	28/05/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 10 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com